SOCIAL PSYCHOLOGY

B.A. (Hons) Part-III

Paper-V

By- Dr. Ramendra Kumar Singh
Deptt of Psy.
D. K. College, Dumraon (Buxar)
VKSU; Ara

नेता के कार्य

नेता अपने समूह का प्रधान होता है। उनके कार्य और व्यवहार प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से समूह को संचालित एवं नियंत्रित करते हैं। जहाँ तक नेता के कार्य का सवाल है तो इस संदर्भ में यह ध्यान देनेवाली बात है कि नेता का कार्य कई बातों पर निर्भर करता है। यह बहुत हद तक समूह की बनावट, समूह के उद्देश्य एवं नेतृत्व के प्रकार पर निर्भर करता है। इसके बावजूद नेता के कुछ ऐसे सामान्य कार्य होते हैं, जो प्रायः सभी प्रकार के नेता को करना पड़ता है। क्रेच आदि (1948) के अनुसार नेता के महत्वपूर्ण कार्य निम्नलिखित है :—

(1) नेता कार्यपालक का कार्य करता है :- नेता अपने समूह के लिये नीति का निर्धारण एवं कार्यान्वयन करता है। इस दृष्टिकोण से वह कार्यपालक होता है। सदस्यों के बीच कार्यों का बँटवारा करता है और कभी-कभी स्वयं कार्य को अंजाम देता है। यह निगरानी भी करता है कि कार्य Proper way में हो रहा है अथवा नहीं। प्रजातांत्रिक नेता सदस्यों की राय लेकर करता है, जबकि सत्तावादी नेता कार्यों की बँटवारा मनमानी ढंग से करता है।

(2) योजना का निर्माण करना :- नेता समूह के लक्ष्यों को निर्धारित करता है, तथा उसकी प्राप्ति हेतु योजनाएँ बनाता है। योजना बनाते समय यह निर्धारित किया जाता है कि किसी aim को कैसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। क्रेच एवं क्रचफील्ड ने अपनी पुस्तक "The Theory and Problem of Social Psychology" में "Leader is the Planner of the group." कहा है।

(3) नीति निर्माण करना :- नेता अपने समूह के लिए नीति का निर्माण करता है। समूह के लिए आन्तरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार की नीतियाँ बनाता है। नेता स्वयं नीति बनाता है,

का सहारा भी
और कभी-कभी अन्य स्त्रोतों, लेता है। जैसे सेनाध्यक्ष को नीति रक्षामंत्रालय से प्राप्त होता है। इसीलिए कहा जाता है- "Leader is a Policy maker of his group."

(4) विशेषज्ञ का कार्य करना!:- नेता अपने समूह के लिए विशेषज्ञ का काम करता है। चाहे किसी भी प्रकार के समूह का नेता क्यों न हो। ये अपने कार्य के विशेषज्ञ होते हैं। अपने कार्य में दक्ष एवं निपुण होते। चाहे वे डकैतों के सरदार हों, या धर्म के प्रधान ही क्यों न हो।

(5) नेता अपने समूह का प्रतिनिधित्व कार्य करता!:- नेता अपने समूह का Representative होता है। दूसरे समूहों से आदान-प्रदान नेता ही करता है। कोई भी व्यक्ति दूसरे समूह से बगैर नेता के इजाजत के नहीं मिल सकते हैं। किसी भी बाह्य समूह से कैसा सम्बन्ध होगा? इसका निर्धारण नेता ही करता है। इसीलिए कर्ट लेविन ने कहा है:- Leader is the gatekeeper of the group.

(6) आन्तरिक सम्बन्धों को नियंत्रित करना!:- नेता का एक प्रमुख कार्य अपने समूह के सदस्यों में भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समूह के सदस्यों के बीच के झगड़ों या कहा सुनी, तू-तू, मैं-मैं होने पर मध्यस्थ का कार्य करता है और उसकी सलाह को सभी सदस्यों को मानना पड़ता है। सदस्यों के बीच बेहतर सम्बन्ध बनाये रखने का प्रयास करता है।

(7) दण्डात्मक एवं प्रोत्साहन का कार्य!:- नेता का एक कार्य यह भी है कि समूह के जो सदस्य अच्छे कार्य करते हैं उन्हें Reward देकर प्रोत्साहित करता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि कुछ सदस्य ऐसे भी होते हैं जिससे समूह के कायदे एवं कानून के विपरीत होते हैं। समूह की बदनामी होती है। समूह के लक्ष्य की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होता है। इसलिए उन्हें दण्डित करने का कार्य भी नेता करता है। प्रजातांत्रिक नेता मिल बैठकर निर्णय लेता है, जबकि सत्तावादी स्वयं सजा दे डालता है (फ्रेंचर 1967)

⑧ पंच या मध्यस्थ का कार्य करना :- कभी-कभी समूह के सदस्यों के बीच अनबन हो जाती है। झगड़े के कारण समूह गतिविधि प्रभावित होने लगती है ऐसी हालत में नेता कारणों की जाँच करता है और मध्यस्थ की भूमिका में आ जाता है। झगड़े की समाप्ति के लिए सदस्यों में समझौता करवाता है।

(9) आदर्श स्थापित करना या, उदाहरण बनना :- नेता अपने समूह के लिये उदाहरण या मिसाल पेश करता है। वह अपने कर्म, चरित्रबल लगन, त्याग, समर्पण, प्रेम एवं भ्रातृत्व की भावना से एवं अन्य साहसिक कारनामों से आदर्श प्रस्तुत करता है। समूह के सदस्य उसे आदर्श एवं पथप्रदर्शक के रूप में देखते हैं।

(10) प्रतीक के रूप कार्य :- नेता अपने समूह का प्रतीक होता है। समूह की पहचान उससे जुड़ी होती है। उसके कार्यों के लिए सम्पूर्ण समूह की प्रशंसा होती है और गलत कार्य के लिए पूरे समूह की निंदा होती है। महात्मा गाँधी की अहिंसा नीति के लिए पूरे राष्ट्र की प्रशंसा होती है इससे समूह का संगठन मजबूत होता है और एकता की भावना का प्रवाह होता है।

(11) व्यक्तिगत उत्तरदायित्व का काम :- समूह के अच्छे या बुरे कार्यों की जिम्मेवारी नेता पर होती है। समूह की सफलता का श्रेय उसे मिलता है तो विफलता की जिम्मेवारी भी अपने कंधों पर ले लेता है। इस संदर्भ में Nilson (1979) का अध्ययन काफी महत्वपूर्ण है।

(12) पिता का कार्य :- जिस प्रकार पिता अपने परिवार की भलाई एवं सुरक्षा के लिए कार्य करता है ठीक उसी प्रकार नेता भी अपने समूह की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफलता के लिए दृढ़ संकल्पित भाव से कार्य करता है। इसलिए सदस्यों के बीच उसका विश्वास बना रहता है। इसलिए मनोवैज्ञानिकों कहा है :- Leader is the father figure of his group.

(13) बलि के बकरा होना :- नेता अपने समूह के उद्देश्यों की पूर्ति में जब असफल हो जाते हैं तो समूह के विघटन की सम्पूर्ण जिम्मेवारी नेता पर आ जाता है। सारे दोष उसी के माथे मढ़ा जाता है

उनकी कार्यशैली पर सवालिया निशाना लगने लगता है। अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ जाता है और कभी-कभी अपदस्थ भी होना पड़ता है।

(14) समन्वयक का कार्य :- नेता का एक प्रमुख कार्य समूह के भिन्न-भिन्न क्रियाओं के बीच Coordination बनाये रखना भी होता है। वह कम से कम समय में कम खर्चे में अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है और Sub committees बनाकर उनके बीच Coordination कायम करने का प्रयास करता है। नेता का यह कार्य काफी जटिल तथा महत्वपूर्ण है।

(15) मूल्यों के निर्वहन का कार्य :- नेता अपने समूह की मूलभूत मान्यताओं एवं विश्वासों के अनुरूप कार्य करता है तथा समूह के सदस्यों को पालन के लिए प्रेरित करता है। इससे समूह की संरचना कायम रहती है, अनुशासन बना रहता है।

(16) नियमों की निर्माण करना :- कोई भी नेता अपने समूह के लिये कुछ नियम एवं कायदे कानून बनाते हैं जिसे सभी को पालन करना पड़ता है। ये नियम तत्कालीन समय एवं परिस्थिति के अनुरूप बनाये जाते हैं। इससे समूह के सदस्यों में अनुशासन बना रहता है, और लक्ष्य हासिल करने में सहूलियत होती है। प्रजातांत्रिक नेता सभी कार्यकारणी के सदस्यों की राय से इसे बनाता है, जबकि सत्तावादी नेता स्वयं निर्णय लेता है। अपने विश्वासपात्रों से सलाह लेता है लेकिन उसे जो उचित लगता है वही करता है

(17) पुराने नियमों में बदलाव लाने का कार्य :- कोई भी नियम तत्कालीन परिस्थितियों के लिहाज से बनाया जाता है, जो सर्वकालिक नहीं हो सकती। अतः जो पुराने नियम वर्तमान परिस्थिति में सही एवं औचित्यपूर्ण नहीं होते हैं उन्हें हटाकर नये नियमों को स्थापित करता है ताकि समूह की प्रासंगिकता बनी रहे। प्रजातांत्रिक नेता सदस्यों से राय लेकर करता है जबकि Authoritarian स्वयं करता है।

(18) प्रतिनिधित्व का कार्य :- नेता अपने समूह का Representative होता है। अगर किसी तरह की राष्ट्रीय या अन्तराष्ट्रीय आयोजन या बैठकें होती हैं तो नेता दल के प्रमुख की हैसियत से उसमें भाग लेता है और दल का प्रतिनिधित्व करता है। कभी-कभी अपने किसी प्रतिनिधि को, जो उसकार्य के योग्य होते हैं, उन्हें भी भेजता है।

(19) केन्द्रबिन्दु :- नेता अपने समूह का केन्द्रबिन्दु होता है, जिस प्रकार बगैर केन्द्र के वृत्त की कल्पना नहीं की जा सकती है; उसी प्रकार बगैर नेता के समूह का कोई अस्तीत्व नहीं रह जाता है। सारे कार्य और निर्णय में नेता की भूमिका अग्रगामी होती है।

इस प्रकार यह स्पष्ट तौर पर कहा जा सकता है, कि नेता के कई कार्य हैं। कुछ कार्य प्राथमिक स्वरूप के होते हैं जिन्हें करना अनिवार्य होता है तथा कुछ कार्य द्वितीयक श्रेणी के होते हैं जिसका निर्धारण समूह, नेतृत्व के लिए करता है। इसी प्रकार यह भी स्पष्ट हो जाता है कि नेता का कार्य नेतृत्व के प्रकार, समूह के स्वरूप और बनावट तथा समूह के उद्देश्यों पर आधारित होता है। इसके बावजूद में कुछ ऐसे सामान्य या प्राथमिक कार्य होते हैं जिन्हें सभी प्रकार के नेतृत्व के लिए करना पड़ता है जिनका वर्णन ऊपर किया जा सकता है।

==

14.08.2024